प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **31 मई / May, 2019**

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सेंटिमेंट थोड़ा नरम, किन्तु फिर भी सकारात्मक है: क्रिसिडेक्स

MSE sentiment moderates a touch, but still positive: CriSidEx

जनवरी-मार्च तिमाही में एमएसई के सकारात्मक उत्तरदाताओं में कमी दिखी

SMEs see fewer positive respondents in the January-March quarter

31 मार्च 2019 को समाप्त तिमाही के दौरान छठा क्रिसिडेक्स सर्वेक्षण दर्शाता है कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (MSE) में सेंटिमेंट नरम था। क्रिसिडेक्स या क्रिसिल-सिडबी एमएसई सेंटिमेंट सूचकांक को क्रिसिल लिमिटेड और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा गत वर्ष आरंभ किया गया था।

There was a moderation in sentiment among Micro and Small Enterprises (MSEs) during the quarter ended March 31, 2019, the 6th CriSidEx survey shows. CriSidEx or the CRISIL-SIDBI MSE Sentiment Index was launched by CRISIL Ltd. and Small Industries Development Bank of India (SIDBI) last year.

जनवरी-मार्च 2019 के दौरान क्रिसिडेक्स स्कोर 122 पर रहा जो अक्टूबर-दिसंबर 2018 के स्कोर 128 से कम था, लेकिन एक साल पहले के स्कोर 121 से थोड़ा ऊपर रहा।

At 122, the CriSidEx score for January-March 2019 was moderately lower than the 128 seen in October-December 2018, but marginally up from 121 a year back.

पैरामीटर स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र ने ऑर्डर-बुक आकार पर सकारात्मक उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी स्थिर बनी रही और सेवा क्षेत्र में थोड़ी वृद्धि की सूचना मिली, दोनों क्षेत्रों ने पिछली तिमाही की तुलना में कर्मचारी आधार के बारे में सकारात्मक उत्तरदाताओं की हिस्सेदारी में कमी की सूचना दी।

At a parameter level, while both manufacturing and services sectors reported a small increase in the share of positive respondents on order-book size, both sectors reported a decrease in the share of positive respondents in employee base compared with the previous quarter.

सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मोहम्मद मुस्तफा, आईएएस कहते हैं, "साल-दर-साल आधार पर, चमड़े और चमड़े के सामान, रसायन, औषधि, आईटी / आईटीईएस और मानव संसाधन क्षेत्रों में काम करने वाले एमएसई ने सकारात्मक सेंटिमेंट में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की; जबकि रत्नों और आभूषणों, वस्त्रों, ऑटो घटकों और स्वास्थ्य देखभाल में अपेक्षाकृत मंदी रही।"

Says Mohammad Mustafa, IAS, Chairman and Managing Director, SIDBI, "On a year-on-year basis, MSEs operating in the leather & leather goods, chemicals, pharmaceuticals, IT/ITeS, and human resources segments reported a noticeable increase in positive sentiment, while those

into gems & jewellery, textiles, auto components and health care had a relatively subdued outing."

विनिर्माण कार्य में लगे एमएसई के 42% ने एक अच्छी सर्वेक्षण तिमाही होने की सूचना दी जो कि पिछली तिमाही के बराबर है और 39% सेवा प्रदाताओं ने पिछली तिमाही में 41% की तुलना में एक अच्छी तिमाही होने की सूचना दी। हालांकि, उक्त संख्या एक साल पहले इसी अवधि के दौरान रहे 29% से बेहतर रही।

Among manufacturing MSEs, 42% reported a good survey quarter, which is on a par with the quarter immediately preceding. And 39% of services providers reported a good quarter compared with 41% in the previous quarter. The number, however, was better than the 29% in the same period a year ago.

क्रिसिल लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी अमीश मेहता कहते हैं, "मार्च तिमाही के सेंटीमेंट को अनेक कारकों ने आकार दिया यथा वाहनों की बिक्री में मंदी के कारण माल संचय और ऑटोमोबाइल उद्योग द्वारा उत्पादन में कटौती हुई; चुनावों के कारण निविदाओं / कार्य सुपुर्दगी में धीमी गति के परिणामस्वरूप इंजीनियरिंग माल क्षेत्र प्रभावित हुआ और तत्संबंधी विनियमों के कारण लॉजिस्टिक्स पर असर पड़ा।"

Says Amish Mehta, Chief Operating Officer, CRISIL Ltd., "Sentiment in the March quarter was shaped by a host of factors such as slowdown in auto sales leading to inventory pile-up and production cuts by the automobile industry; slower tendering/awarding ahead of elections affecting the engineering goods sector; and, regulations impacting logistics."

अप्रैल-जून 2019 तिमाही में व्यापार की स्थिति के बारे में सेंटिमेंट के सकारात्मक बने रहने की उम्मीद है, लेकिन एक अच्छी अगली तिमाही की उम्मीद करने वाले उत्तरदाताओं का हिस्सा अब तक के सभी 6 क्रिसिडेक्स सर्वेक्षणों में सबसे कम है।

In the April-June 2019 quarter, sentiment about the business situation is expected to remain positive but the share of respondents expecting a good next quarter is the lowest in all six CriSidEx surveys so far.

बड़े एमएसएमई ने माना सर्वेक्षण तिमाही बेहतर रही - उनमें से 47% से अधिक में 25 से अधिक कर्मचारियों वाली इकाईयां थी जबकि 30% इकाईयां 10 से कम कर्मचारियों वाली थी।

Larger MSEs had a better survey quarter – as many as 47% of them with more than 25 employees compared, with 30% with less than 10 employees.

निर्यात-उन्मुख एमएसई ने अपने 43% घरेलू साथियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसमें 45% घरेलू साथियों के मुकाबले ऑर्डर बुक में वृद्धि सूचित की है। पिछली दो तिमाहियों में निर्यातकों ने घरेलू बाजार केंद्रित एमएसई की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। आयातकों में जनवरी-मार्च 2019 में अधिक खरीद वाले उत्तरदाताओं का हिस्सा पूर्ववर्ती तिमाही में 25% से घटकर 17% रह गया।

Export-oriented MSEs fared better than their domestic peers, with 45% reporting an increase in order book compared with 43% of domestic peers. In the past two quarters, exporters have

been consistently faring better than domestic market focused MSEs. Among importers, the share of respondents that saw higher procurement in January-March 2019 declined to 17% from 25% in the preceding quarter.

उत्पादन की मात्रा के संदर्भ में, विनिर्माण एमएसई उद्योग में संलग्न इकाइयों में से 43% ने वृद्धि की सूचना दी, जो कि पिछली तिमाही में देखी गई प्रवृत्ति की निरंतरता दर्शाता है। विनिर्माण एमएसई उद्योग में संलग्न समान हिस्से को अप्रैल-जून में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है, जबकि केवल 8% को उम्मीद है कि यह कम होगा।

In terms of production volume, 43% of manufacturing MSEs reported an increase, which is a continuation of the trend seen in the previous quarter. A similar share of manufacturing MSEs expect an increase in production in April-June, while only 8% expect it to be lower.

जनवरी-मार्च में 11% प्रतिशत की तुलना में एमएसई के 18% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें अप्रैल-जून में कर्मचारियों को जोड़ने की उम्मीद है।

MSEs said they expected to hire more in April-June with 18% respondents planning to add employees compared with 11% that did in January-March.

जहाँ तक ऋणदाताओं की बात है, वे उभरती व्यावसायिक स्थिति के संबंध में सतर्क बने हुए हैं।
As for lenders, they remain cautious on the evolving business situation.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता रहा है। चाहे वह पारंपरिक घरेलू उद्योग हों, लघु, पिरामिड के निचले स्तर के उद्यमी हों, मध्यम उद्यम से ले कर उच्च ज्ञान आधारित उद्योग हों और निर्यात संवर्द्धन तक के उद्यम हो, सिडबी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 360 लाख से अधिक लोगों के जीवन को विभिन्न क्रेडिट और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान की है।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional domestic industry, small units, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, medium enterprises to high-end knowledge-based industries and export promotions, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of more than 360 lakh people in the MSEs sector, through various credit and developmental measures.

कृपया अधिक जानकारी के लिए https://www.sidbi.in/ पर जाएँ ।
For more information, please visit: https://www.sidbi.in/

मीडिया संपर्क : नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई-मेल: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in

Annexure

CriSidEx score indicates a positive MSE sector

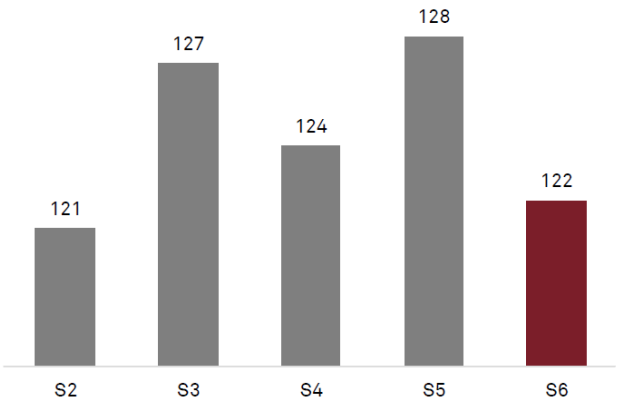

CriSidEx survey	Survey quarter (SQ)	Next quarter (NQ)
Survey 1 (S1)	October- December 2017 (SQ1)	January-March 2018 (NQ1)
Survey 2 (S2)	January-March 2018 (SQ2)	April-June 2018 (NQ2)
Survey 3 (S3)	April-June 2018 (SQ3)	July-September 2018 (NQ3)
Survey 4 (S4)	July-September 2018 (SQ4)	October-December 2018 (NQ4)
Survey 5 (S5)	October-December 2018 (SQ5)	January-March 2019 (NQ5)
Survey 6 (S6)	January-March 2019 (SQ6)	April-June 2019 (NQ6)

Manufacturing

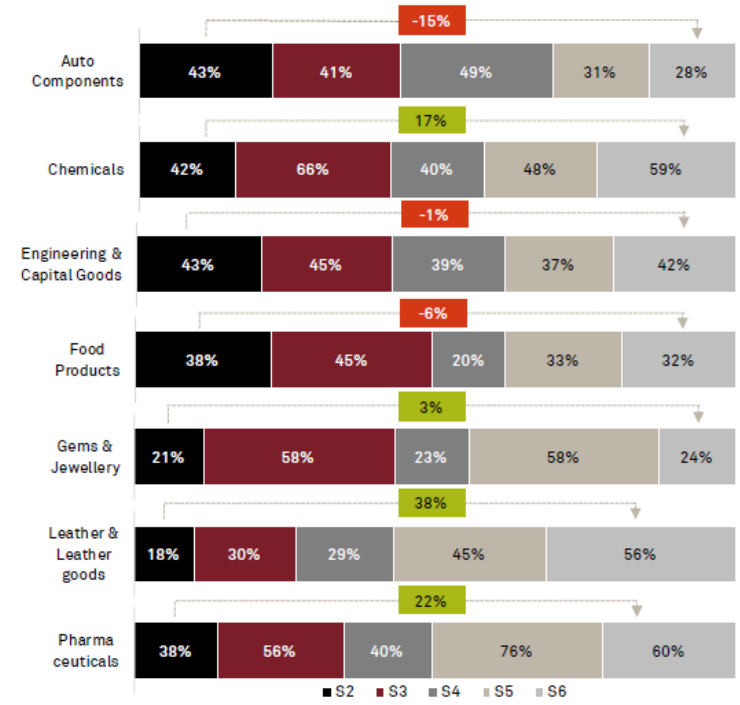

Services

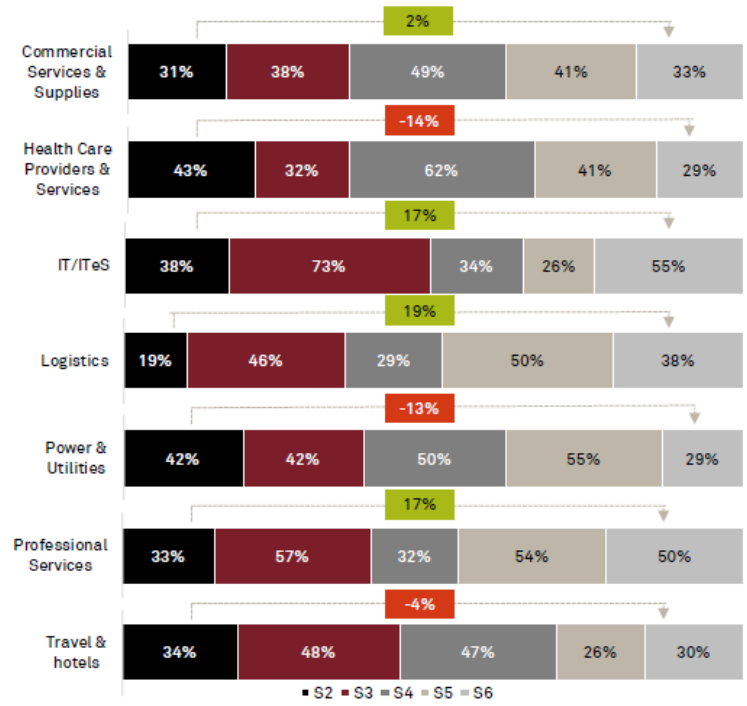

% represent share of positive respondents

Volume of production: Pharma and leather doing well; gems & jewellery and auto components subdued

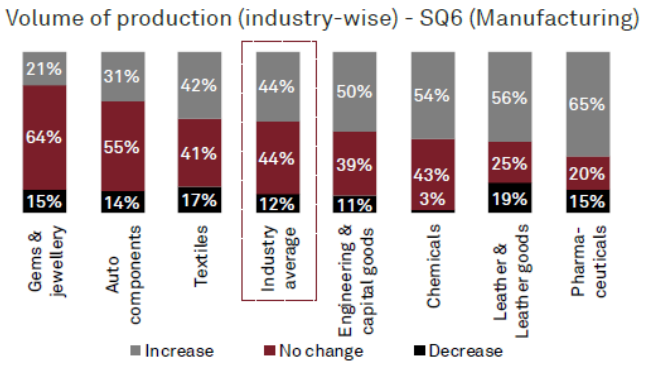

% represent share of respondents

Small MSEs more positive in manufacturing

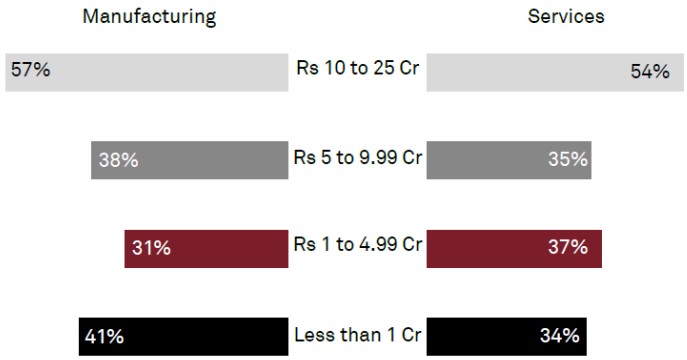

% represent share of positive respondents